कोविड-19 से जुड़े सामाजिक कलंक की समस्या का समाधान करना

संचारी रोगों के प्रकोप के दौरान लोक स्वास्थ्य आपात स्थितियों से भय और चिंता पैदा हो सकती है जिसके फलस्वरूप लोगों और समुदायों के खिलाफ पूर्वाग्रहों, सामाजिक अलगाव और कलंक की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसे व्यवहार की परिणति अधिक शत्रुता, अराजकता और अनावश्यक सामाजिक बिखराव में हो सकती है।

कोविड -19 से प्रभावित लोगों के साथ-साथ प्रकोप के प्रबंधन के लिए अग्रिम पंक्ति में सेवारत हेल्थकेयर वर्कर्स, सैनिटरी वर्कर्स और पुलिस के साथ संक्रमण के बारे में अत्यधिक भय और गलत सूचना के कारण भेदभाव किए जाने के मामलों की जानकारी प्राप्त हुई है। यहां तक कि जो लोग कोविड-19 की बीमारी से ठीक हो गए हैं, वे इस तरह के भेदभाव का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा, कुछ समुदायों और क्षेत्रों को विशुद्ध रूप से सोशल मीडिया में और अन्यत्र चलने वाली झूठी रिपोर्ट के आधार पर बदनाम किया जा रहा है।

इस तरह के पूर्वाग्रहों का मुकाबला करने और एक ऐसे समुदाय के रूप में उभरने की तत्काल आवश्यकता है जो कि स्वास्थ्य की साक्षरता के साथ सशक्त हो और इस प्रतिकूलता का सामना करने के लिए उचित रूप से जवाब देने में सक्षम हो।

इस संबंध में, सभी जिम्मेदार नागरिकों को सलाह दी जाती है कि:

• हालांकि कोविड-19 एक अत्यधिक संक्रामक बीमारी है जो तेजी से फैलती है और हम में से किसी को भी संक्रमित कर सकती है, लेकिन हम सामाजिक रूप से दूरी बना कर, अपने हाथों को नियमित रूप से धोकर और छींकने/खांसने के शिष्टाचार का अनुसरण करके अपनी स्वयं रक्षा कर सकते हैं।

• सभी सावधानियों के बावजूद, यदि कोई व्यक्ति संक्रमित हो जाता है, तो यह उसकी गलती नहीं है। संकट की स्थिति में, रोगी और उसके परिवार को सहायता और सहयोग की आवश्यकता होती है। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह स्थिति ठीक होने योग्य है और इस रोग से प्रभावित ज्यादातर लोग ठीक हो गए हैं।

• डॉक्टर, नर्स और संबद्ध तथा स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर संकट की इस स्थिति में, देख-भाल करने और चिकित्सा / नैदानिक सहायता देने के लिए अथक रूप से अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

स्वच्छता कर्मी और पुलिस भी निस्वार्थ सेवा कर रही है और कोविड -19 की चुनौती का सामना करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वे सभी हमारे समर्थन, प्रशंसा और सराहना के पात्र हैं।

• वे सभी जो सीधे कोविड-19 के प्रबंधन में शामिल हैं, उपयुक्त सुरक्षात्मक उपकरणों से सुसज्जित हैं ताकि उन्हें संक्रमण से सुरक्षित रखा जा सके।

• आवश्यक सेवा प्रदाताओं और उनके परिवारों को लक्षित करने से कोविड-19 के खिलाफ हमारी लड़ाई कमजोर होगी और यह पूरे राष्ट्र के लिए गंभीर रूप से हानिकारक साबित हो सकता है।

जिम्मेदार नागरिकों के रूप में, हमें 'क्या करें' और 'क्या न करें' का पालन करना चाहिए:

करने योग्य बातें	**क्या न करें**
• आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले लोगों के प्रयासों की सराहना करें तथा उनके और उनके परिवारों के प्रति सहायक हों। • केवल स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार या विश्व स्वास्थ्य संगठन की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रामाणिक जानकारी साझा करें। • सोशल मीडिया पर कोविड-19 से संबंधित किसी भी संदेश को अग्रेषित करने से पूर्व विश्वसनीय स्रोतों से उसकी पुनः जांच करें। • कोविड-19 से ठीक हुए लोगों की सकारात्मक कहानियों को साझा करें।	• कभी भी प्रभावित या संगरोधाधीन व्यक्तियों के नाम या पहचान या उनके मोहल्ले का सोशल मीडिया पर प्रसार न करें। • डर और दहशत फैलाने से बचें। • स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता कर्मियों या पुलिस को लक्षित न करें। वे वहाँ पर आपकी मदद के लिए हैं। • कोविड-19 के प्रसार के लिए किसी भी समुदाय या क्षेत्र को बदनाम न करें। • उपचाराधीन व्यक्तियों को कोविड पीड़ित के रूप में संबोधित करने से बचें। ऐसे लोगों को "कोविड से ठीक हो रहे लोगों" के रूप में संबोधित करें।